The Hindu Business Line 25 April, 2018

Assocham calls to implement direct selling guidelines

PRESS TRUST OF INDIA

New Delhi, April 24

Industry body Assocham on Tuesday asked the Centre to speedily implement direct selling guidelines to facilitate ease of doing business in this sector.

"The Department of Consumer Affairs must advise all States for speedy implementation of the Centre's direct selling guidelines in letter and spirit as that would help in recognising the sector and removing all misconceptions," the chamber said in a statement.

ASSOCHAM IN THE NEWS

Hindustan (Ranchi) **25 April, 2018**

फूड प्रोसेसिंग और प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना पर कार्यशाला, झारखंड राज्य उद्यान मिशन के निदेशक ने किया जागरूक

हिन्दुस्तान

राज्य में आर्गेनिक कोरिडोर बनाने की तैयारी

पिस्कानगड़ी | प्रतिनिधि

नगड़ी स्थित केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में मंगलवार को एसोचेम की फूड प्रोसेसिंग और प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना पर एकदिनी कार्यशाला आयोजित की गई। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि झारखंड राज्य उद्यान मिशन के निदेशक सह ओफाज के सीईओ राजीव कुमार आदि अतिथियों न दीप जलाकर किया। मुख्य अतिथि ने कहा आनेवाले वर्ष में राज्य में मिशन मोड में आर्गेनिक फॉर्मिंग का काम होगा।

इसके लिए 3000 क्लस्टर चिह्नित किये गए हैं, भारत सरकार इस पर सहमत है। इसके लिए झारखंड में एक आर्गेनिक कोरिडोर तैयार किया जा रहा है। सीईओ ने कहा कि झारखंड में आर्गेनिक फॉर्मिंग की काफी संभावना है। इस दिशा में राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर काम कर रही है। इसके लिए कृषि निदेशालय और भूमि संरक्षण निदेशालय का सहयोग मांगा गया है।

यहां की सोयाबीन और भिंडी की विदेशों में काफी मांग हो रही है। किसान मांग पूरी करने की स्थिति में नहीं हैं, विभाग इस काम में किसानों को सहयोग करना चाहता है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी।

नगड़ी स्थित केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में मंगलवार को कार्यशाला का उद्घाटन करते अतिथि। • हिन्दुस्तान

मीट उत्पादन में छठे स्थान पर है झारखंड

अमेठी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आरके झा ने कहा कि कृषि पर निर्भरतावाले राज्यों में झारखंड का छठा स्थान है। मीट उत्पादन के मामले में भी हम छठे स्थान पर हैं। वहीं सब्जी उत्पादन में भारत दूसरे तथा मत्स्य उत्पादन में हम तीसरे स्थान पर हैं। इसे प्रथम स्थान पर पहुंचाना है।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि और अन्य। • हिन्दुस्तान

किसानों को बाजार समझने की जरूरत

एसोचेम के क्षेत्रीय निदेशक एसके सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 2016-2020 तक खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 6000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। किसानों को बाजार को समझना होगा और जरूरतमंद किसानों को सहयोग करना होगा। उन्होंने बताया कि एसोचेम के चार लाख सदस्य हैं और यह संस्था 1920 से संचालित है। यह सरकार और उद्यमियों के बीच में एक सशक्त कड़ी का काम करती है। एक मंच पर लाकर दोनों के काम को आसान करती है। संस्था की 29 शाखाएं विदेशों में है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ भी तालमेल बनाकर काम करती है।

कृषि वैज्ञानिकों का योगदान सराहनीय

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक, अनुसंधान, डीएन सिंह ने कहा कि 70 साल पहले हमारा देश दूसरे देशों से अनाज मंगाकर खाता था। आज हम जरूरत से ज्यादा अनाज पैदा कर रहे हैं। इसमें कृषि वैज्ञानिकों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। यह स्थिति 1970-80 के बीच की हरित क्रांति से हुई। जिसके जनक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन थे। किसानों के लिए वैज्ञानिकों ने कई ऐसी वेराइटी विकसित की, जिससे कृषि उत्पादन आज कई गुना बढ़ गया है। देश में अभी तिलहन उत्पादन को बढ़ाने की जरूरत है। इससे हम 17 हजार करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत कर सकते हैं।

तसर किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रयत्नशील

देश में कृषि उत्पादन की क्षमता अच्छी है परंतु नए लाइफ स्टाइल में पैकेज्ड फूड की मांग भी बढ़ी है। इस मामले में हम अभी विश्व के कई देशों से काफी पीछे हैं। कृषि के क्षेत्र में देश को समृद्ध बनाने के लिए परिवार में एक या दो सदस्यों को स्किल करना होगा। देश में गुणवत्ता आधारित पैकेज्ड फूड की जरूरत बढ़ानी होगी, आज पैकेज्ड फूड का करीब 33 बिलियन का बाजार है। केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि तसर भी किसानों की आय में वृद्धि को लेकर प्रयत्नशील है। अधिक से अधिक किसानों को तसर उद्योग से जोड़कर उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत की जा रही है। कार्यक्रम का संचालन शशि सिंह ने किया। तकनीकी सत्र में प्रो चिन्मय कुमार, डॉ अनुपम राय, आरपी सिंह, पूर्व कुलपति सुरेश प्रसाद सिंह, सौमा सोना सिन्हा, डॉ एके सिन्हा, डॉ जीपी सिंह, वैज्ञानिक डॉ जेपी पांडेय ने भी अपने विचार रखे। मौके पर क्षेत्र के कई कृषक मित्र भी मौजूद थे।

Dainik Jagran (Ranchi)

25 April, 2018

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मिले छह हजार करोड़

तसर संस्थान में एसोचेम के फूड प्रोसेसिंग के एकदिवसीय कार्यशाला में मिली जानकारी

संवाद सूत्र, पिस्कानगड़ी : केंद्रीय तसर अनुसंधान में मंगलवार को एसोचेम का फूड प्रोसेसिंग और प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना पर एकदिवसीय कार्यशाला हुई। शुभारंभ राज्य उद्यान मिशन के निदेशक राजीव कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि राज्य में आर्गेनिक फॉर्मिंग की बहुत संभावना है। इसमें राज्य सरकार और केंद्र सरकार मिलकर काम कर रही है। इसके लिए कृषि निदेशालय और भूमि संरक्षण निदेशालय का सहयोग मांगा गया है।

कार्यशाला में शामिल अधिकारी व अन्य अतिथि • जागरण

मौके पर बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक अनुसंधान डीएन सिंह ने कहा कि आज देश में हम जरूरत से ज्यादा अनाज पैदा कर रहे हैं। इसमें वैज्ञानिकों की अहम भूमिका है। वैज्ञानिकों ने कई ऐसी वेरायटी विकसित की, जिससे उत्पादन कई गुणा बढ़ गया। देश में अभी तिलहन उत्पादन की जरूरत है। इस दिशा में एक प्रयास करने की जरूरत है। इससे हम करीब 17 हजार करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत कर सकते हैं। एमिटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.आरके झा ने कहा कि कृषि पर निर्भरता वाले देशों में झारखंड का स्थान छठा है। मीट उत्पादन के मामले में हम छठे स्थान पर हैं। सब्जी में दूसरे तथा मत्स्य उत्पादन में तीसरे स्थान पर हैं। देश में कृषि उत्पादन की क्षमता अच्छी है। नए लाइफ स्टाइल में पैकेज फूड की मांग भी बढ़ी है। वहीं, संस्थान के निदेशक अजीत कुमार सिन्हा ने कहा कि तसर भी किसानों की आय मे वृद्धि को लेकर प्रयत्नशील है और अधिक से अधिक किसानों को तसर उद्योग से जोड़ कर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया जा रहा है।

एसोचैम के क्षेत्रीय निदेशक एसके सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने 2016-2020 तक खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए छह हजार करोड़ रुपये का व्यवस्था की है। एसोचैम के चार लाख सदस्य हैं। संस्था 1920 से संचालित है। संस्था की 29 शाखाएं विदेशों में है। संचालन शशि सिंह ने किया। कार्यशाला में प्रो. चिन्मय कुमार, डॉ.अनुपम राय, आरपी सिंह, पूर्व कुलपति सुरेश प्रसाद सिंह, सोमा सोना सिन्हा, डॉ. एके सिन्हा, डॉ. जीपी सिंह, वैज्ञानिक डॉ. जेपी पांडेय, प्रभात महतो, सुरेन मिंज, रामा महतो, स्मिता प्रसाद उपस्थित थे।